city भास्कर

JAIPUR, SUNDAY, 03/06/2018 .

कन्वोकेशन में 200 से अधिक स्टूडेंट्स को मिली डिग्री

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

वर्तमान में राज्य के अंदर करीब 51 प्रतिशत गर्ल्स कॉलेज लेवल तक पहुंच चुकी हैं। राज्य पहले अपनी कमजोर महिला साक्षरता दर के लिए जाना जाता था। ये बातें शनिवार को राजस्थान सरकार की तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, किरण माहेश्वरी ने कही। मौका था, आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के फोर्थ कन्वोकेशन का। इस मौके पर 200 से अधिक स्टूडेंट्स को हॉस्पिटल एंड हैल्थ मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट और मास्टर इन पब्लिक हैल्थ की डिग्री दी गई। अदिति चोपड़ा (हॉस्पिटल मैनेजमेंट), नवजोत कौर अरोड़ा (फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट), शैली जैन (रूरल मैनेजमेंट) और संतोष (मास्टर इन पब्लिक हैल्थ) को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के फाउंडर ट्रस्टी डॉ. अशोक अग्रवाल ने कहा कि भारत हैल्थकेयर सेक्टर में जीडीपी का सिर्फ एक प्रतिशत ही खर्च कर रहा है। जबकि दुनिया के ज्यादातर विकसित देश इस क्षेत्र में अपने जीडीपी का 10 प्रतिशत तक खर्च कर रहे हैं। देश का हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर निजी एवं सार्वजनिक, दोनों क्षेत्रों में मजबूत होना चाहिए। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के कार्यवाहक प्रेसीडेंट, डॉ.पी.आर. सोढ़ानी ने कहा कि हैल्थ और डवलपमेंट क्षेत्र में नॉलेज और अलग-अलग सेक्टर्स में रिसर्च को बढ़ावा देना हमारा उद्देश्य है।